**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा उत्पादन विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 645**

**17 दिसम्बर, 2018 को उत्तर के लिए**

 **'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र में विदेशी कंपनियां**

**645. श्री इलामारम करीम:**

 क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी कंपनियों की रक्षा उत्पादन संबंधी इकाइयों की स्थापना हेतु कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या किसी सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा इकाइयों की हिस्सेदारी अथवा पूरी इकाइयों को निजी इकाइयों को बेच दिया गया है या इसकी प्रक्रिया चल रही है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) से (ग): एक विवरण संलग्न है।

**'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र में विदेशी कंपनियां के बारे में राज्य सभा में दिनांक 17.12.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए अतारांकित प्रश्न सं. 645 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

**(क) और (ख)** : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग (डीआईपीपी) ने प्रेस नोट सं. 5 (2016) के तहत संशोधित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति को अधिसूचित किया है जिसके तहत रक्षा क्षेत्र में 49% तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति आटोमेटिक रूट के जरिए और जहां कहीं भी इसके परिणामस्वरूप देश में आधुनिक प्रौद्योगिकी की पहुंच की संभावना हो अथवा रिकार्ड किए जाने वाले अन्य कारणों के लिए 49% से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति सरकारी रूट के जरिए है। इसका अर्थ यह है कि विद्यमान नियमों के तहत कोई भी विदेशी कंपनी विनिर्माण लाइसेंस अपेक्षा के अध्यधीन आटोमेटिक रूट के जरिए रक्षा उत्पादन इकाई की स्थापना कर सकती है। 'मेक इन इंडिया' के लांच होने से लेकर अब तक सरकारी रूट (भारतीय भागीदार हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) – 50.5%, विदेशी भागीदारः ज्वाइंट स्टॉक कंपनी रोजोबोरोनेक्सपोर्ट (आरओई), मास्को, रूस और ज्वांइट स्टॉक कंपनी रशियन हेलिकॉप्टर्स (आरएच), मास्को, रूस – 49.5%) के जरिए 49% से अधिक शेयर धारिता वाले विदेशी निवेश के लिए रक्षा क्षेत्र में मैसर्स इंडो रशियन हेलिकॉप्टर लिमिटेड के एक विदेशी निवेश प्रस्ताव (49% से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) को अनुमोदित किया गया है। इसके अतिरिक्त सरकारी रूट के जरिए रक्षा क्षेत्र में निम्नलिखित कंपनियों के लिए 12 विदेशी निवेश प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया हैः-

1. मैसर्स पुंज लॉयड लिमिटेड
2. मैसर्स आइडिया फॉर्ज टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
3. मैसर्स सेसमॉसहेट टेक्नोलॉजीस लिमिटेड
4. मैसर्स डायनामिक टेक्नोलॉजीस लिमिटेड
5. मैसर्स महिन्द्रा टेलीफोनिक इंटीग्रेटेड सिस्टम्स लिमिटेड
6. मैसर्स इंडियन रोटोक्राफ्ट लिमिटेड
7. मैसर्स बीएफ इलबिट एडवांस्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
8. मैसर्स साफ्रान इंजीनियरिंग सर्विसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
9. मैसर्स टाटा सिकोरस्काई प्राइवेट लिमिटेड
10. मैसर्स क्वांटम सिमुलेटर्स प्राइवेट लिमिटेड
11. मैसर्स आइडिया फॉर्ज टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
12. मैसर्स एल्फा-एलसेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड

(ग): मिश्रधातु निगम लिमिटेड (मिधानी), गार्डनरिच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और भारत अर्थमूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) में सरकारी शेयरधारिता को विक्रय ऑफर/प्रारंभिक सार्वजनिक ऑफरिंग के जरिए अंशतः कम किया गया है।

\*\*\*\*\*\*